महाकुंभ से पर्यटन को मिली 'संजीवनी'

पहले की अपेक्षा बढ़ी है लोगों की संख्या पर्यटन विभाग प्रचार-प्रसार पर दे रहा है जोर

जासं, प्रयागराज: तीर्थराज प्रयाग के पर्यटन को महाकुंभ से संजीवनी मिली है। प्रयागराज शहर और उसके आस-पास के धार्मिक-पौराणिक स्थलों पर जहां पहले बमुश्किल सौ लोगों के बीच जाते थे, वहां महाकुंभ के दौरान हजारों श्रद्धालु पहुंचे। कुछ मंदिरों में उनकी संख्या लाखों में पहुंच गई है। महाकुंभ बीतने के बाद भी लोग उन स्थलों पर पहुंच रहे हैं। इससे पर्यटन विभाग उत्साहित है। उसे बनाए रखने के लिए प्रचार-प्रसार के साथ संसाधन बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

दारागंज स्थित वेणी माधव मंदिर ● जागरण आर्काइव

कुछ समय पहले तक तीर्थराज प्रयाग आने वाले अधिकतर लोग संगम स्नान करने के बाद लौट जाते थे। भ्रमण के नाम पर कुछ लोग सिर्फ आनंद भवन जाते थे। इस मिथक को तोड़ने के लिए महाकुंभ से पहले धार्मिक और पौराणिक स्थलों का कायाकल्प कराया गया। नगर देवता भगवान वेणी माधव, द्वादश माधव, तक्षकतीर्थ, मनकामेश्वर महादेव मंदिरों का जीर्णोद्धार हुआ। महर्षि भरद्वाज आश्रम, नागवासुकि, निषादराज पार्क कारिडोर बनवाकर उसक प्रचार-प्रसार कराया गया। इसके अलावा कौशांबी, प्रतापगढ़ और फतेहपुर के प्राचीन स्थलों का कायाकल्प हुआ। इससे उक्त स्थलों पर जाने वालों की संख्या बढ़ी। नागवासुकि, वेणी माधव, महर्षि भरद्वाज आश्रम में आमदिनों में 70 से सौ लोग जाते थे। महाकुंभ के दौरान वहां एक लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। मौजूदा समय एक हजार से अधिक लोग पहुंच रहे हैं। आनंद भवन में जनवरी-फरवरी माह में प्रतिदिन चार से पांच हजार पर्यटक गए। इसमें 360 विदेशी थे। इधर वहां जाने वालों की संख्या प्रतिदिन सैकड़ों में है। इलाहाबाद संग्रहालय में जनवरी में 12,156 और फरवरी 10,335 पर्यटक आए, यह स्थिति उत्साहजनक रही। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह का कहना है कि महाकुंभ में करोड़ों श्रद्धालुओं के आने से धार्मिक और पौराणिक स्थलों पर भीड़ रही। महाकुंभ के बाद भी उन स्थलों पर जाने वाले लोगों की संख्या पहले की अपेक्षा बढ़ी है। संख्या निरंतर बनी रहे उसके लिए संसाधन बढ़ाने के साथ प्रचार-प्रसार किया जाएगा। जो रुके काम हैं उन्हें युद्ध स्तर पर पूरा कराया जाएगा।

वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा "संगम"

दुनिया का केंद्र बिंदु बनकर 45 दिनों तक विश्व को आकर्षित करने वाला संगम क्षेत्र अब वर्षपर्यंत वैभवशाली बना रहेगा। संगम क्षेत्र को अब वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां पूरे वर्ष दर्शन और पर्यटन के लिए भौतिक विषयवस्तु भी दृष्टिगोचर होंगी। इसके लिए प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने संगम क्षेत्र के विकास और सुविधाओं को व्यवस्थित करने की पहल शुरू कर दी है। कुंभ नगरी को अयोध्या और काशी के साथ आध्यात्मिक पर्यटन का मजबूत त्रिकोण बनाया जाएगा। यहां पूरे वर्ष प्रकाश, पेयजल, चकर्ड प्लेट, शौचालय, वाहन पार्किंग क्षेत्र उपलब्ध रहेंगे। जबकि पुलिस बल की भी स्थायी तैनाती होगी। प्रयागराज में विकसित किए गए विभिन्न मंदिरों के कारिडोर जैसे हनुमान मंदिर, अक्षय वट, श्रृंगवेरपुर आदि इसका अतिरिक्त आकर्षण होंगे। वाराणसी के घाटों की तरह आरती होगी।